भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार
हिन्दी पखवाड़ा पर समाचार पत्रिका

दिनांक 01 से 14 सितंबर 2019 तक भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (इंकॉइस), हैदराबाद में हिन्दी पखवाड़ा धूमधाम से मनाया गया और पखवाड़े के दौरान कार्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस बार हिन्दी पखवाड़े के दौरान हिन्दी और हिन्दीतर भाषी क्षेत्रों के कर्मचारियों के लिए अलग- अलग से प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई, अर्थात् 'क' और 'ख' क्षेत्र के कर्मचारियों को एक समूह में और 'ग' क्षेत्र के कर्मचारियों को एक समूह में विभाजित करके प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राकास) की सिफारिश के अनुसार इस वर्ष प्रतियोगिताओं के विजेताओं की पुरस्कार राशि में वृद्धि की गई और शील्ड़ पुरस्कार के स्थान पर नकद पुरस्कार देने का निर्णय लिया गया।

पखवाड़े के दौरान निम्न प्रतियोगिताएँ आयोजित किए गए।

1. हिन्दी निबंध लेखन

इस प्रतियोगिता 06 सितंबर 2019 (शुक्रवार) शाम को 16:00 बजे बोर्ड रूम में आयोजित किया गया। इसमें 25 कर्मचारियों ने भाग लिया।

हिन्दी निबंध लेखन हेतु दो विषय दिए गए 1) महासागर के सतत विकास की दिशा में इंकॉइस का योगदान 2) जलवायु परिवर्तन का समुद्र पर प्रभाव।

'क' और 'ख' क्षेत्र में प्रथम स्थान डॉ. सुप्रित कुमार, वैज्ञानिक 'सी', ओडीजी, दूसरा स्थान सुश्री. प्रेरणा सिंह, वैज्ञानिक 'सी', एमडीजी को मिला एवं तृतीय स्थान पर श्री. अक्षय विशाल, परियोजना सहायक, टीडब्ल्यूजी एवं श्री. संतोष कुमार, वरिष्ठ कार्यकारी, ईएसजी रहे।

'ग' क्षेत्र में श्री. आर.यु.वी.एन सतीश, वैज्ञानिक सहायक 'ए', टीपीजी, श्री. देवेंद्र कुमार, प्रशासनिक अधिकारी (एस एवं पी), सुश्री. मिथिला वर्णा. वी, परियोजना वैज्ञानिक 'बी' ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।

2. हिन्दी आशु भाषण प्रतियोगिता

हिन्दी आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन 09 सितंबर 2019 (सोमवार) को 15:30 बजे सभागार में किया गया।

इस प्रतियोगिता में 16 कर्मचारियों नें भाग लिया और 'क' एवं 'ख' क्षेत्र में डॉ. सुप्रित कुमार, वैज्ञानिक 'सी', ओडीजी ने प्रथम स्थान एवं श्री. संतोष कुमार, वरिष्ठ कार्यकारी, ईएसजी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

'ग' क्षेत्र में प्रथम स्थान श्री. एच. शिवकुमार, परियोजना सहायक, टीडब्ल्यूजी एवं द्वितीय स्थान एम.ए सुब्हान, परियोजना कनिष्ठ कार्यालय सहायक, ईएसजी ने प्राप्त किया।

3. हिन्दी कविता पाठ

इस वर्ष से कार्यालय में एक नई प्रतियोगिता, हिन्दी कविता पाठ की शुरुआत की गई । इस प्रतियोगिता का आयोजन 11 सितंबर को इंकॉइस सभागार में किया गया जिसमें 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता क्षेत्र के अनुसार विभाजित नहीं किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री. जय कुमार, परियोजना सहायक, टीडब्ल्यूजी को श्री. गोपाल प्रसाद व्यास की कविता 'खूनी हस्ताक्षर' की सफल प्रस्तुति के लिए दी गई। दूसरा स्थान श्री. अक्षय विशाल, परियोजना सहायक को 'आँख बायीं चल गई' कविता की प्रस्तुति के लिए दिए गए। तीसरा पुरस्कार दो कर्मचारियों को, सुश्री. मिथिला वर्णा, परियोजना वैज्ञानिक 'बी' को श्री. मैथिलीशरण गुप्त की कविता 'मनुष्यता' की प्रस्तुति और श्री. एम.ए सुब्हान, परियोजना कनिष्ठ कार्यालय सहायक को 'माँ' कविता की प्रस्तुति के लिए दिए गए।

4. हिन्दी वैज्ञानिक प्रस्तुतिकरण

पिछले सालों की तरह इस वर्ष भी हिन्दी वैज्ञानिक प्रस्तुतिकरण का आयोजन किया गया। 13 सितंबर में आयोजित की गई इस प्रतियोगिता में 11 प्रतिभागियों ने भाग लिया और 'क' एवं 'ख' क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार डॉ. सुप्रित कुमार, वैज्ञानिक 'सी' को "प्राकृतिक विपत्ति आकलन कार्यप्रणाली: पश्चिमी तट का अनुभव" विषय पर की गई प्रस्तुति के लिए दिया गया और श्री. अतिक जगतप बापुराव, परियोजना वैज्ञानिक 'बी' को "जलवायु परिवर्तन के पारिस्थितिक प्रभाव" विषय की प्रस्तुति के लिए दी गई। 'ग' क्षेत्र में पहला स्थान श्री. आर. वेंकट शेषु, वैज्ञानिक 'ई', ओडीजी को "परिवर्तन बिंदु" विषय की प्रस्तुति और द्वितीय स्थान श्री. एम.ए. सुब्हान, परियोजना कनिष्ठ कार्यालय सहायक, ईएसजी को 'विज्ञान- लाभ और हानि' विषय की प्रस्तुति के लिए दिए गए।

कर्मचारियों के प्रतियोगिताओं के साथ साथ कर्मचारियों के बच्चों के लिए हिन्दी कविता पाठ एवं हिन्दी कहानी पाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसका आयोजन 8 सितंबर 2019 (रविवार) को किया गया। इसके दौरान बच्चों को तीन श्रेणी में अर्थात् नर्सरी से पहली कक्षा तक एक श्रेणी, दूसरी कक्षा से पाँचवीं तक दूसरी श्रेणी और छठीं से दसवीं तक तीसरी श्रेणी में रखकर आयोजित किए गए।

1. बच्चों के लिए हिन्दी कविता पाठ

बच्चों के हिन्दी कविता पाठ प्रतियोगिता में नर्सरी से पहली कक्षा तक की श्रेणी में प्रथम स्थान रक्षिता कुमारी सुपुत्री राखी कुमारी, द्वितीय स्थान श्रीषा कुमार, सुपुत्री सुप्रित कुमार और तृतीय स्थान ज्योस्ना बालकृष्णन, सुपुत्री संध्या के.जी को प्राप्त हुआ। दूसरी से पाँचवीं कक्षा की श्रेणी में पहला स्थान पिहु प्रकाश, सुपुत्री सत्य प्रकाश, दूसरा स्थान अंजली नायर, सुपुत्री रम्या. पी.जी, तीसरा स्थान शुभश्री चटर्जी, सुपुत्री अभिषेक चटर्जी को दिया गया। पाँचवी से दसवीं तक की श्रेणी में पहला स्थान सार्थक कुमार, सुपुत्र राखी कुमारी, दूसरा स्थान आर. श्रीनाथ, सुपुत्र श्री. आर. वेंकट शेषु और तीसरे स्थान पर साई निष्ठा, सुपुत्री सुहासिनी रही।

2. बच्चों के लिए हिन्दी कहानी पाठ

बच्चों के हिन्दी कहानी पाठ प्रतियोगिता में नर्सरी से पहली कक्षा तक की श्रेणी पहला स्थान श्रीषा कुमार, सुपुत्री सुप्रित कुमार, दूसरा स्थान रक्षिता कुमारी, सुपुत्री राखी कुमारी, तीसरा स्थान लारण्या शर्मा, सुपुत्री देवेंद्र कुमार को प्राप्त हुई। दूसरी से पाँचवीं कक्षा की श्रेणी में पहला स्थान पिहु प्रकाश, सुपुत्री सत्य प्रकाश, दूसरा स्थान शुभश्री चटर्जी, सुपुत्री अभिषेक चटर्जी और तीसरा स्थान अंजली नायर, सुपुत्री रम्या पी.जी को और पाँचवी से दसवीं तक की श्रेणी में पहला स्थान साई निष्ठा सुपुत्री सुहासिनी, दूसरा स्थान सार्थक कुमार, सुपुत्र राखी कुमारी और तीसरा स्थान आर. प्रशांत सुपुत्र आर. वेंकट शेषु को प्राप्त हुई।

हिन्दी पखवाड़े के समापन समारोह 13 सितंबर 2019 (शुक्रवार) को दोपहर 2:00 बजे आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष, डॉ. माया देवी को आमंत्रित किए गए। श्री. आर. वेंकट शेषु, वैज्ञानिक 'ई' ने मुख्य अतिथि एवं निदेशक महोदय का मंच पर स्वागत किया। कार्यालय के निदेशक डॉ. एस एस सी शेनॉय ने मुख्यातिथि का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। इसके पश्चात डॉ. सत्य प्रकाश, वैज्ञानिक 'ई' एवं अध्यक्ष, राकास ने स्वागत भाषण एवं इंकॉइस में राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन पर हुई प्रगति पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। निदेशक महोदय ने अपने अध्यक्षीय भाषण दिया। वैज्ञानिक कार्यों में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग करने की आवश्यकता पर उन्होंने बल दिया। मुख्य अतिथि ने कार्यलयीन कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर अपना वक्तव्य दिया। इसके पश्चात प्रतियोगिताओं में उत्तीर्ण कर्मचारियों एवं उत्तीर्ण बच्चों के लिए पुरस्कार वितरण भी किए गए। डॉ. सुप्रित कुमार, वैज्ञानिक 'सी' ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह के समाप्ती की घोषणा की।